

OBSAH

| | |
|--|-----|
| Matěj M. pro 21. století | 3 |
| <i>Zasmějme se aneb humoru není nikdy dost</i> | 5 |
| Sedlákův mlýnek | 7 |
| Hádanka | 13 |
| Cvrček | 15 |
| Klimek | 20 |
| O třech obrech | 27 |
| O Pipánovi | 34 |
| Jak dřevorubec vyzrál na čerty | 41 |
| Olejně bečky | 46 |
| Liška nad lišku | 48 |
| Krejčí a obr | 51 |
| O původu hub | 55 |
| Kmotřička | 58 |
| | |
| <i>Do krajiny kouzel a romantiky</i> | 67 |
| Kačenka | 68 |
| Karolinka | 75 |
| O Honzovi | 82 |
| Červená růže | 87 |
| Princezna s dlouhým nosem | 92 |
| O ztracené princezně | 97 |
| Zakletý zámek | 103 |
| Honzíček Zlatohlávek | 112 |
| O Ovčáčkovi | 118 |
| Bílý medvěd | 124 |
| Vavřínek | 133 |
| Roztrhané Střevíce | 138 |
| Strýček | 142 |
| Krvavá paní | 148 |
| Pekelné lůžko | 156 |
| Stařík | 161 |
| | |
| <i>Pověsti z našeho kraje</i> | 169 |
| Čertovo sídlo u Studené | 170 |
| Vlčí jáma u Telče | 174 |
| Klipy klap | 179 |
| Bílá paní | 181 |
| Slavnost sv. Víta v Jemnici | 185 |
| Jak čerti vozili hnůj | 189 |